नर्मदा बचाओ आंदोलन
• नर्मदा–आशिष, नवलपुरा, बडवानी, मध्यप्रदेश ४५१५५१
• दूरभाष : ९७५५५४४०९७
इमेल : nba.badwani@gmail.com, medha.narmada@gmail.com
• मैत्री निवास, टेंबेवाडी (काकावाडी के पीछे) धडगाव, जिला नंदुरबार, महाराष्ट्र ४२५४१४
• दूरभाष : ९४२३९०८१२३
इमेल : nba.maha@gmail.com, latikala@gmail.com

Narmada Bachao Andolan
• Narmada-Ashish, Navalpura, Badwani, Madhya Pradesh 451551
• Tel: 9755544097
Email: nba.badwani@gmail.com, medha.narmada@gmail.com
• Maitri Niwas, Tembewadi, Behind Kakawadi, Dhadgaon, Dist. Nandurbar, Maharashtra 425414
• Tel: 9423908123
Email: nba.maha@gmail.com, latikala@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति दिनांक:- 13.08.2024

नर्मदा घाटी में सरदार सरोवर विस्थापितों ने किया चेतावनी सत्याग्रह|

जलस्तर अधिक बढ़ने पर जलसत्याग्रह का संकल्प लिया, जलाशय में उतरकर!

आज, 13 अगस्त 2024 के रोज नर्मदा घाटी के सरदार सरोवर के विस्थापितों ने जून महीने के उपवास - धरने के बाद फिर संघर्ष का नया दौर शुरू किया| बड़वानी, धार जिले के गांव-गांव के भाई- बहनों ने दिनभर का धरना- सत्याग्रह किया, कुकरा- राजघाट (तहसील, जिला- बड़वानी) गांव में, नर्मदा किनारे| सरदार सरोवर का ऊंचा चढ़ता जलस्तर 135 मीटर तक पहुंचने पर कुछ गांव/ मुहल्ले टापू बनना शुरू हुआ है, तो सत्याग्रहीयों ने अपना विरोध जताकर, जलस्तर अधिक बढ़ने से, 'बिना पुनर्वास डूब नामंजूर' कहते हुए जल सत्याग्रह करने की चेतावनी घोषित की है|

आज दिनभर चले सत्याग्रह में सुशीला नाथ, हरिओम बहन, कमला यादव, ने पुनर्वास के लाभ न मिलने पर टीनशेड में, शासकीय भवनों में रहते, बेघर हुए परिवारों का दर्द बयां किया| धनराज भिलाला, कैलाश यादव, वहीद मंसूरी और अन्यों ने अन्याय को उजागर करते हुए, आश्वासनों का और न्यायालयीन आदेशों का पालन न करने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी| दलित, आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार के कारण कानूनी कारवाई करने की जरूरत भी प्रस्तुत की गयी|

रेहमत मंसूरी ने नर्मदा नदी पर हो रहा प्रदूषण का आघात तथा दसौं लिफ्ट परियोजनाओं से नर्मदा घाटी का जलअधिकार छीनकर भी करोड़ों रुपयों के निवेश के बाद भी लाभ न मिलने की हकीकत पेश की|

मेधा पाटकर जी ने कार्यपालन यंत्री श्री. चोंगड जी ने, "कुकरा- राजघाट के सभी विस्थापितों का संपूर्ण पुनर्वास गुजरात में हो चुका है" यह बयान किस आधार पर दिया, यह सवाल उठाया| नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण के 2023 तक के हर वार्षिक रिपोर्ट में तथा वरिष्ठ सांसद श्री. रामजीलाल सुमन जी के सवालों पर जलशक्ति मंत्रालय ने दिये जवाबों में भी "सभी विस्थापितों का पुनर्वास पूरा होने का" तथा पुनरीक्षित बैकवाटर लेवल्स भी सही साबित होने का दावा किया है, उसकी भी पोलखोल की गयी|

राज्यसभा सांसद बड़वानी के सुमेर सिंह सोलंकी जी ने मेधा पाटकर पर आरोप लगाया है कि "नर्मदा का जल प्रदूषित होने की बात कहकर वह जनता को भ्रमित कर रही है" इस पर जवाब देते हुए आंदोलन से करवाये गये नर्मदा जल परीक्षण के रिपोर्ट बताकर सुमेर सिंह जी से जाहिर ऐलान किया कि वे अध्ययन के बाद सत्य बोले, असत्य छोड़ें| उनका दावा कि नर्मदा नदी का जल, देश की तमाम नदियों की तुलना में अधिक शुद्ध है, इस पर भी

आंदोलन की ओर से, वैज्ञानिक आधार पर यह साबित करने और रिपोर्ट दिखाने की मांग की गयी जबकि धरातल की स्थिति भी; अस्वास्थ्य और जल- निर्मित बीमारीयां बढ़ने की, उजागर की गयी|

धरने के बाद जलाशय में उतरकर, सभी सत्याग्रही भाई- बहनों ने संकल्प लिया जिसमें नर्मदा घाटी को बचाने का, जलस्तर बढ़ने देंगे तो जलसत्याग्रह करने का निर्णय सर्वसहमति से जाहीर किया गया| विशेष अतिथी के रूप में पधारे सुंदर सिंह पटेल जी ने 39 साल के जीवट आंदोलन की सराहना करते हुए कहा कि देशभर के विस्थापितों को, जैसे बेरछा- हेमा रक्षा मंत्रालय की परियोजना से प्रभावितों को भी, आपसे प्रेरणा लेकर, न्याय मिला है| उन्होंने आगे सशक्त संघर्ष से अपना मानव अधिकार पाने वाले आंदोलनकारी दौर में अपना समर्थन घोषित किया!

संकल्प से एक विशेष ताकत लेकर लौटे घाटी के गांव-गांव के प्रतिनिधि| जलस्तर पर निगाह रखकर डूब की स्थिति पैदा होते ही जलसत्याग्रह करने की कटिबद्धता नारे, गीतों के द्वारा व्यक्त करके ही वापस लौटे हैं|

सेवंती बहन धनराज भिलाला भगवान सेप्टा ओम पाटीदार राहुल यादव

संपर्क:- 9179617513 / 8839295127